तापमान
अधिकतम 30.4 डिग्री
न्यूनतम 8.1 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

11 शिक्षित व संस्कारित नारी ही मानव का निर्माण ...

12 अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ ..

नगर निकाय चुनाव परिणाम का इंतजार

प्रत्याशियों ने थकान उतारी, कार्यकर्ताओं से मिले और हार-जीत पर मंथन

भाजपा मेयर पद के प्रत्याशी वाल्मीकि सीएम और बड़ौली से मिले और कांग्रेस प्रत्याशी किलोई ने कार्यकर्ताओं संग की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम के मेयर और पार्षद पदों पर मतदान के बाद प्रत्याशियों ने दूसरे दिन थकान दूर की। इस दौरान कुछ देर घर पर आराम किया और परिवार के साथ समय बिताया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचते रहे। प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं ने दिनभर चुनावी समीकरणों पर चर्चा की। सभी अपनी अपनी जीत के दावें जताते रहे। इसके अलावा कई प्रत्याशियों ने वार्डों में जाकर लोगों से मुलाकात की और उनका वोट के लिए आभार जताया। मेयर पद पर पांच प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा है। भाजपा के प्रत्याशी रामअवतार वाल्मीकि, कांग्रेस के प्रत्याशी सूरजमल किलोई सहित आप के अमित कुमार, इनेलो से सूरज कुमार और निर्दलीय दीपक शामिल हैं। इसके अलावा करीब 121 पार्षदों ने 22 वार्डों से चुनाव लड़ा है।

मुलाकातों का दौर शुरू

भाजपा के मेयर पद के उम्मीदवार रामअवतार वाल्मीकि सुबह निवास स्थान पर कार्यकर्ताओं से मिले और उनका मतदान के लिए शुक्रिया किया। लोगों ने दावा किया कि वे भारी मतों से जीतेंगे। कार्यकर्ता उनकी जीत के लिए आश्वस्त नजर आए। रामअवतार वाल्मीकि ने चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर चर्चा की और रोहतक चुनाव के बारे में सीएम को अपडेट दिया। इसके अलावा उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली से मुलाकात की। जहां आगे की तैयारियों को लेकर बातचीत हुई। इसके बाद भी उम्मीदवार रामअवतार कार्यकर्ताओं से मिले।

सूरजमल ने फीड बैक लिया

कई दिन के चुनाव प्रचार के बाद कांग्रेस के मेयर पद के प्रत्याशी कार्यकर्ताओं से मिले। वह अपने निवास पर मौजूद रहे जहां कार्यकर्ता उनसे मिलने पहुंचे और जीत के लिए दावे किए। इस दौरान चुनावी समीकरणों को लेकर चर्चाएं हुई। सूरजमल किलोई भी वोटिंग प्रतिशत को देखकर अपनी जीत के लिए आश्वस्त दिखाई दिए। वार्डों में जाकर वोटरों का आभार भी जताया। साथ ही मतगणना के दिन के लिए भी तैयारियां शुरू की।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष से मिलते भाजपा प्रत्याशी रामअवतार

कार्यकर्ताओं से चर्चा करते कांग्रेस प्रत्याशी सूरजमल

12 को मतगणना, स्ट्रांग रूम पर सुरक्षा कर्मी तैनात

नगर निगम चुनाव रोहतक तथा नगर पालिका कलानौर के आम चुनाव के उपरांत स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के दृष्टिगत तीन शिफ्टों में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। स्ट्रांग रूम में चुनाव के उपरांत ईवीएम रखी गई है तथा दोनों स्ट्रांग रूम को सील किया गया है। यह ड्यूटी मजिस्ट्रेट संबंधित निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में कार्य करेंगे। स्ट्रांग रूम की 24 घंटे सुरक्षा की जाएगी। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि सीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन के ब्लॉक दो में नगर निगम चुनाव के दृष्टिगत स्थापित किए गए स्ट्रांग रूम में आगामी 8 मार्च तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के सहायक प्रो. डॉ मनोज कुमार, आगामी 7 मार्च तक सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक सहायक प्रो. डॉ. मनोज कुमार तथा 7 मार्च तक दोपहर बाद 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक सहायक प्रो. डॉ. धीरज खुराना, 8 से 12 मार्च तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के सहायक प्रो. अशोक सहगल, 8 मार्च से 12 मार्च तक सुबह 6 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक सहायक प्रो. सतीश कुमार खासा तथा 8 से 12 मार्च तक दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक मदवि के सहायक प्रो. सुरेंद्र कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए

जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा द्वारा नगर निगम रोहतक तथा नगर पालिका कलानौर के स्ट्रांग रूम के लिए आरक्षित ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी लगाए गए हैं। जारी आदेश के तहत नगर निगम रोहतक के लिए आरक्षित ड्यूटी मजिस्ट्रेट में मदवि के सहायक प्रो. डॉ. शमेशर सिंह, सहायक प्रो. राजेश शामिल है। नगर पालिका कलानौर के लिए आरक्षित ड्यूटी मजिस्ट्रेट में स्थानीय गौड ब्राह्मण आयुर्वेदिक महाविद्यालय के सहायक प्रो. डॉ. देवेंद्र कौशिक एवं मदवि के यूआईईटी के सहायक प्रो. अश्वनी धींगड़ा शामिल है।

कलानौर स्ट्रांग रूम पर सुरक्षा बढ़ाई

कलानौर स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में स्थापित किए गए स्ट्रांग रूम में 8 मार्च तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कलानौर राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य देवेंद्र कुमार, 7 मार्च तक सुबह 6 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक आंवल स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य मनोज कुमार तथा 7 मार्च तक दोपहर बाद 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक सैंपल स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य कर्मवीर, 8 मार्च से 12 मार्च तक रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक काहनौर स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य हर्ष कुमार, 8 से 12 मार्च तक सुबह 6 बजे से दोपहर बाद 2 बजे तक काहनौर स्थित आईटीआई के प्राचार्य सुशील कुमार तथा 8 से 12 मार्च तक दोपहर बाद 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक बनियानी स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य सत्यपाल को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

शहर में आज

- बिजली निगम में सुबह 11 से 1.30 बजे तक खुलादरबार
- आंबेडकर चौक पर सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर
- मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक
- बिजली निगम के कर्मचारियों की मांगों को लेकर बैठक

बिजली कट

- सुबह 10.30 से 5.30 बजे तक

शीतल नगर, सुनारिया, कन्हैली, झज्जर रोड, झज्जर रोड, इंद्र नगर, रुपया चौक, दुर्गा बर्फ फैक्ट्री, एकता कॉलोनी, न्यू विजय नगर, अजीत कॉलोनी, विजय नगर, अमृत कॉलोनी

- सुबह 10 से 12 बजे तक

नेहरू कॉलोनी, संजय कॉलोनी, माता दरवाजा, जींद रोड, गौकर्ण तालाब

- दोपहर 12:30 से शाम 5:00 बजे तक

ओल्ड सब्जी मंडी थाना, गढ़ी मोहल्ला, अंबेडकर नगर, करतारपुरा, खुम्बी फार्म के आस पास, कच्चा बेरी रोड, रामलीला पड़ाव, कृष्णा कालोनी, गोपालपुरा

- सुबह 10:30 से शाम 5 बजे तक

राजीव कॉलोनी, खोकरा कोट, सलारा मोहल्ला, रामजोहड़ी, बाल्मीकि चौक, तेज कालोनी, हनुमान कालोनी

- सुबह 10 से 5 बजे तक

गांव सुनारिया, मायना, कन्हैली, पहरवार

खबर संक्षेप

महम नपा परिसर में रक्तदान शिविर कल

महम। नगर पालिका महम के पूर्व प्रधान स्वर्गीय अनिल दुआ के 59वें जन्म दिवस के मौके पर नगर पालिका कार्यालय परिसर में बुधवार 5 मार्च को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। समाजसेवी बसंत लाल गिरधर ने बताया कि शिविर सुबह 9 बजे शुरू होगा और दोपहर दो बजे शिविर का समापन किया जाएगा।

कांग्रेस नेता हिमानी हत्याकांड: 48 घंटे में ही रोहतक पुलिस ने किया पर्दाफाश

विजय नगर से पैदल सूटकेस में शव लेकर ऑटो तक, फिर बस से सांपला पहुंचा

- सीसीटीवी फुटेज से खुला राज, वारदात के दिन हिमानी के घर में रुका था सचिन, रात को हत्या की फिर सूटकेस में शव डाल आटो से दिल्ली बाई पास पहुंचा और बस पकड़ी सूटकेस को सांपला फ्लाईओवर के नीचे झाड़ियों में फेंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कांग्रेस नेता हिमानी नरवाल हत्याकांड में खुलासा होने के बाद रोहतक पुलिस ने राहत की सांस ली। चुनाव में व्यस्तता के चलते पुलिस इसे चुनौती मानकर चल रही थी। अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के नेता मामले को लेकर बयानबाजी कर रहे थे। महिला संगठन इस मामले में आवाज उठाने लगे थे। इसके बावजूद पुलिस ने 48 घंटे में वारदात का खुलासा कर दिया। खुद एडीजीपी केके राव मामले पर नजर रखे हुए थे। उन्होंने सोमवार को पत्रकारवार्ता में मामले का खुलासा किया। हालांकि पुलिस ने आरोपी को तीन दिन के रिमांड पर लिया है। पूछताछ में लेनदेन को लेकर हुए झगड़े के बाद कोई और कहानी भी सामने आ सकती है। इसलिए पुलिस अभी कुछ स्पष्ट कहने से बच रही है। एसआईटी की जांच पड़ताल में सामने आया कि हिमानी नरवाल की 18 माह पहले सोशल मीडिया पर झज्जर के गांव खेरपुर निवासी 30 वर्षीय सचिन उर्फ ढिल्लू से जान पहचान हुई थी। इसके बाद उनकी मुलाकातें होनी लगी और दोस्ती हो गई। सचिन अक्सर हिमानी से मिलता रहता था। उसकी झज्जर में मोबाइल शॉप है। वह शादीशुदा हैं और उसके दो बच्चे हैं। इसके अलावा हैरानी की बात यह है कि हिमानी की हत्या करने के बाद सचिन पैदल ही सूटकेस में लाश लेकर ऑटो तक गया। इस दौरान वह कैमरे में भी कैद हो गया। वह ऑटो में सूटकेस रखकर दिल्ली बाईपास पहुंचा और फिर यहां से बस लेकर सांपला पहुंचा, जहां झाडियों में शव सहित सूटकेस फेंक दिया।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते एडीजीपी केके राव ।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

सीसीटीवी में सूटकेस ले जाते दिखा

विजय नगर से इस तरह सूटकेस में शव लेकर ऑटो तक गया हत्या का आरोपी सचिन

रजाई पर लग गया था खून

पुलिस के मुताबिक आरोपी ने खुलासा किया है कि 27 फरवरी को वह रात 9 बजे हिमानी के घर पहुंचा और रात भर वहीं रुका, अगले दिन, 28 फरवरी को दिन में दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि सचिन ने हिमानी की चुन्नी से उसे बांध दिया और मोबाइल चार्जर के तार से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। हाथापाई के दौरान सचिन के हाथों में चोट लगी, जिसका खून हिमानी की रजाई पर गिर गया।

मृतका का सामान जमा करवा कर लिया लोन

आरोपी सचिन हत्या करने के बाद हिमानी की अंगूठियां, सोने की चेन, मोबाइल, लैपटॉप व अन्य आभूषण एक बैग में डालकर हिमानी की ही स्कूटी लेकर अपनी दुकान पर चला गया था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उसने एक निजी कंपनी में सामान जमा करवा कर लोन लिया है। इसके अलावा यह भी पता चला है कि युवती ने चेन बनवाने के लिए किसी दुकानदार से संपर्क किया था। इस बात का खुलासा आरोपी के रिमांड के बाद ही हो पाएगा।

मां ने लगाए थे आरोप

मां ने हिमानी की हत्या के बाद बताया था कि वह किसी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कहकर आई थी। उसे एक नेता के रोड शो में शामिल होना था। इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया था कि हिमानी राजनीति में आगे बढ़ रही थी जिससे कुछ लोगों को तकलीफ हो रही थी। साथ ही वह अब शादी भी करना चाहती थी।

विकसित भारत युवा संसद के लिए 9 तक लिए जाएंगे आवेदन

- 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा सकते हैं भाग ले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के आदेशानुसार व उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा की हिदायतों अनुसार युवा विकसित भारत युवा संसद में प्रतिभागिता कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में योगदान देने का अवसर प्राप्त कर सकते है। इसके लिए युवा विकसित भारत युवा संसद इवेंट के तहत माय भारत पोर्टल पर एक देश एक चुनाव-विकसित भारत के लिए मार्ग प्रशस्त करना विषय पर आगामी 9 मार्च तक एक मिनट के वीडियो में अपने विचार अपलोड कर सकते है। इसके लिए 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवा भाग ले सकते है। नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी आशीष सांगवान ने बताया कि रोहतक नोडल जिला के तहत रोहतक व झज्जर के 18 से 25 आयु वर्ग के युवा माय भारत पोर्टल पर जाकर विकसित भारत युवा संसद जिला रोहतक इवेंट के तहत विकसित भारत के उनके लिए मायने विषय पर 1 मिनट का वीडियो अपलोड कर सकते है। इसके पश्चात जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा चयनित 150 प्रतिभागियों को जिला स्तर की विकसित भारत युवा संसद में प्रतिभागिता करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तर से चयनित 10 युवा राज्य स्तर युवा संसद के लिए भेजे जाएंगे।

सीआईए-2 को मिली सफलता

मंजीत हत्याकांड: तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, कोर्ट में पेश किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सीआईए-2 ने मंजीत की हत्या की वारदात में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि 6 दिसंबर 2024 को पुलिस को सूचना मिली कि गांव किलोई में स्थित भूमि गार्डन में शादी समारोह में गोलियां चली है।

पुलिस ने तुंरत मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की। डीघल निवासी मंजीत व बल्लम निवासी मंदीप को गोलिया लगी। जिनकों ईलाज के लिए ट्रामा सेंटर रोहतक ले जाया गया है। डॉक्टरों की टीम ने मंजीत को मृत घोषित किया गया। मृतक के भाई मुकेश की शिकायत के आधार पर सदर थाना में केस दर्ज करके जांच शुरु की गई। जांच में सामने आया कि 6 फरवरी को मंजीत व मुकेश अपने चाचा सतीश के लड़के का शादी समारोह गांव किलोई में स्थित भूमि गार्डन में बारात में आए हुए थे। इसी दौरान हाल के अंदर 2-3 अज्ञात युवक अंदर आए। युवकों ने अपने साथ लिए हुए हथियारों से मंजीत के सिर व गर्दन पर अंधाधुंध फॉयरिंग की। इस दौरान साथ में बैठे मंदीप को भी गोलिया लगी।

परीक्षा सरल पेपर आने से बच्चों के चेहरे खिले, बोले अच्छा हुआ पेपर

9679 ने दी दसवीं की इंग्लिश की परीक्षा 139 रहे अनुपस्थित, रिठाल में एक यूएमसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। सोमावर को दसवीं का इंग्लिश का पेपर था। जिसमें रिठाल के एक सेंटर पर यूएमसी बना। परीक्षा 9818 बच्चों ने परीक्षा देनी थी, उनमें से 9679 बच्चे उपस्थित हुए और 139 अनुपस्थित रहे। पेपर के बाद जब बच्चे परीक्षा केंद्र से बाहर आए तो सभी के चहरे खिले हुए थे। परीक्षा का समय 12:30 से 3:30 बजे तक था। बच्चे 11 बजे से अपने अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने शुरू हो गए। बच्चों के अभिभावक भी उनके साथ थे।

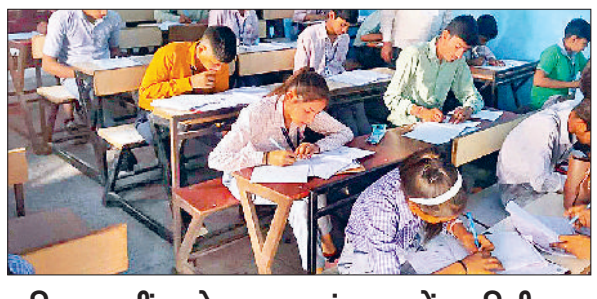

मुश्किल नहीं था पेपर

बच्चों ने कहा कि पेपर ज़्यादा मुश्किल नहीं था, कई बच्चों ने तो समय से पहले ही पेपर कर लिया था। बच्चों ने बताया कि अब अगले पेपर की भी अच्छे से तैयारी करनी है और अच्छे अंक लाने हैं।

पांच स्कूलों का निरीक्षण

सोमवार को एसडीएम फ्लाइंग रोहतक में सीटीएम अंकित कुमार के नेतृत्व में पांच स्कूलों का दौरा किया, सबसे पहले टीम भालौठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल पहुंची, जहां व्यवस्था सही पाई गई। इसके बाद कंसाला कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में टीम ने निरीक्षण किया। इसके बाद कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किलोई, राजकीय कन्या उच्च विद्यालय रिठाल और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खिड़वाली का भी दौरा किया। इसमें राजकीय कन्या उच्च विद्यालय रिठाल में एक बच्चे के पास नकल पाई गई।

फ्लाइंग टीम ने बच्चे का यूएमसी बनाकर बोर्ड में भेज दिया। इस टीम का नेतृत्व एसडीएम अंकित कुमार ने किया। उनके साथ विकास शर्मा, विकास ढलवाल और पूनम मौजूद रहे।

नकल रोकने को टीमें गठित नकलचियों को नहीं बख्शेंगे

- अतिरिक्त उपायुक्त होंगे ऑवर ऑल प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी द्वारा आयोजित करवाई जा रही विभिन्न परीक्षाओं को नकल रहित संपन्न करवाने के दृष्टिगत उड़नदस्ते गठित करने के आदेश जारी किए है। परीक्षाओं में नकल करने वाले विद्यार्थियों के विरुध उचित कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए है। अतिरिक्त उपायुक्त ऑवर ऑल प्रभारी होंगे तथा सहायक पुलिस अधीक्षक एवं गठित की गई टीमों के साथ परीक्षा के दौरान समन्वय स्थापित करेंगे। धीरेंद्र खड़गटा द्वारा जारी आदेश के तहत उड़नदस्ते में रोहतक के उपमंडलाधीश अंकित कुमार के साथ पुलिस उपाधीक्षक दलीप सिंह, सिविल लाइन पुलिस थाना की एसएचओ अंकिता, जिला राजस्व अधिकारी कनब लाकड़ा के साथ सिटी पुलिस थाना के एसएचओ राजकुमार, सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद के साथ सांपला के पुलिस उपाधीक्षक रजनीश, सांपला पुलिस थाना के एसएचओ बिजेंद्र, रोहतक के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी रोहताश के साथ आईएमटी पुलिस थाना के एसएचओ महेश कुमार, महम के उपमंडलाधीश दलबीर सिंह के साथ महम के उप पुलिस अधीक्षक संदीप, महम पुलिस थाना के एसएचओ सत्यपाल सिंह, महम के तहसीलदार दिनेश कुमार के साथ लाखनमाजरा पुलिस थाना के अतिरिक्त एसएचओ समरजीत सिंह को जिम्मेदारी सौंपी है।

मदवि: शास्त्री स्कीम परीक्षा का परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने जनवरी-2925 में आयोजित पीएचडी कोर्स वर्क केमिस्ट्री री-अपीयर तथा दिसंबर 2024 में आयोजित शास्त्री एमडीयू स्कीम की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। एसोसिएट कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी है, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियां का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पच्चीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता।

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृत्ति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-काक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है।

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी बनें डिजिटल एक्सपर्ट

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

सलाह

संध्या सिंह

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलाएं सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है।

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

खबर संक्षेप

शोध का उपयोग समाज के विकास के लिए करें

रोहतक। शोध केवल एक शैक्षणिक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह समाज के लिए योगदान करने का भी माध्यम भी है। शोधार्थी अपने शोध कार्य का उपयोग समाज के विकास के लिए करें। यह कहा है महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक एफेयर्स प्रो. एएस मान ने। प्रो. मान सोमवार को स्वराज सदन में शोध कार्यशाला का शुभारंभ कर रहे थे। मुख्य अतिथि डीन प्रो. ए.एस. मान ने चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में प्रबंधन और वाणिज्य संकाय के नव प्रवेश प्राप्त शोधार्थियों के लिए आयोजित इस शोध प्रविधि कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए शोध की महत्ता पर प्रकाश डाला और शोधार्थियों को उत्कृष्ट एवं समाजानुपयोगी शोध कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला के जरिए शोधार्थी शोध के विभिन्न पहलुओं से अवगत होंगे तथा नवीनतम शोध विधियों और तकनीक से परिचित होंगे।

गौड़ ब्राह्मण कॉलेज में मनाया बसंत महोत्सव

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण डिग्री कॉलेज में विज्ञान विभाग द्वारा बसंत महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों द्वारा प्राकृतिक चीजों से रंगोली बनाई व पौधों की सजावट और छायाचित्रों के माध्य से बसंत ऋतु को दर्शाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक कॉलेज प्राचार्य डॉ. वारिज पाण्डेय रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा रहे। मुख्यवक्ता गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक कॉलेज से डॉ. निशा ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कॉलेज प्राचार्य डॉ. जयपाल शर्मा ने कहा कि वसंत ऋतु का महत्व न केवल प्राकृतिक सौंदर्य के लिए है, बल्कि यह ऋतु कई त्योहारों और उत्सवों का भी समय है। होली, वसंत पंचमी, और बैसाखी जैसे त्योहार इस ऋतु में मनाए जाते हैं। वसंत ऋतु का आगमन हमें नई उमंग और उत्साह से भर देता है। यह ऋतु हमें प्रकृति के साथ जुड़ने और उसकी सुंदरता का आनंद लेने का अवसर प्रदान करती है।

सांपला के सरकारी स्कूलों में बच्चों को दी जा रही दक्षता आधारित शिक्षा: सुमन हुड्डा

- सांपला के प्राथमिक विद्यालयों में निपुण हरियाणा मिशन का सफल क्रियान्वयन
- पूर्ण वर्ष की शैक्षणिक प्रगति पर आयोजित कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत खंड सांपला में खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा और खंड संसाधन समन्वयक अधिकारी जय भगवान के नेतृत्व में आधारभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को जांचने के लिए आयोजित किया गया। इस आंकलन का उद्देश्य यह जानना रहा कि खंड में सभी विद्यार्थियों ने अपनी कक्षा के अनुसार दक्षता प्राप्त कर ली है या नहीं। इसमें 1729 विद्यार्थियों में से 1332 ने भाग लिया। 65 प्रतिशत विद्यार्थियों ने हिंदी, 64 ने गणित और 62 प्रतिशत ने अंग्रेजी में कक्षा के अनुसार दक्षता प्राप्त की। दिसंबर में हुई पुन समीक्षा आंकलन में 1412 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्लेषण के बाद पाया गया कि विद्यालय खंड के हिंदी विषय में 68 प्रतिशत, गणित विषय में 67 प्रतिशत विद्यार्थी और अंग्रेजी विषय में 68 प्रतिशत विद्यार्थी निपुण लक्ष्य को प्राप्त कर चुके हैं। मार्च माह में आयोजित होने वाली आकलन में भी इसका लाभ प्राप्त होगा। खंड का यह अनूठा प्रयास छात्रों के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। फरवरी के आखिरी सप्ताह में आयोजित की गई समीक्षा बैठक में पूर्ण वर्ष की शैक्षणिक गतिविधियों एवं विद्यार्थियों के सीखने की प्रक्रिया पर खंड शिक्षा अधिकारी ने विचार व्यक्त किए।

समीक्षा बैठक हुई

खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा और खंड संसाधन समन्वयक अधिकारी जय भगवान की अध्यक्षता में मेंटरों की मासिक समीक्षा बैठक हुई। जिसमें सुमन हुड्डा ने कम दक्षता वाले विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने और निदेशालय द्वारा दिए गए रेमेडियल कार्यक्रम को पूर्ण रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। जय भगवान ने समूह गतिविधि आधारित शिक्षण और प्रिंट रिच वातावरण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सांपला के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे किसी भी अन्य विद्यार्थियों के किसी भी विषय में कम नहीं हैं। आज के परिवेश के अनुसार बच्चों को शिक्षा व अन्य गतिविधियों में दक्ष किया जा रहा है। इसके अलावा प्राथमिक स्कूल मुखियाओं का व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया, जहां सर्वोत्तम प्रथाएं साझा की गई।

100 प्रतिशत निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे

खंड निपुण कॉर्डिनेटर पूजा ने बताया कि खंड का प्रत्येक बच्चा निपुण बने, इस बात को सार्थक करते हुए 100 प्रतिशत निपुण लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहेंगे। निपुण हरियाणा मिशन के तहत सांपला खंड में किए गए प्रयास सराहनीय हैं और विद्यार्थियों की दक्षता में सुधार लाने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। बता दें कि शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक मूल्यांकन 17 मार्च से शुरू हो रहा है।

किसी भी क्षेत्र में कम नहीं बेटियां, बस अपने अंदर ऊर्जा पैदा करना जरूरी : स्वामी सूर्यवेश

शिक्षित व संस्कारित नारी ही मानव का निर्माण कर सकती है : पूनम आर्या

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद व बेटी बचाओ अभियान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 18वें बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में सीसर एवं गुमाना के लोगों ने आहुति डाली

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद व बेटी बचाओ अभियान के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 18वें बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में सीसर एवं गुमाना के लोगों ने आहुति डाली। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन पूनम आर्या ने कहा कि शिक्षित व संस्कारित नारी ही मानव का निर्माण कर सकती है। मां बच्चे का पहला गुरु होती है और यदि गुरु ही संस्कारित नहीं होंगे तो बच्चों में संस्कार कैसे पैदा होंगे। इसलिए समाज व सरकार को नारी को शिक्षा व संस्कार देने पर ताकत लगानी चाहिए। आर्य समाज इस क्षेत्र में बहुत लंबे समय से कार्यरत है। उन्होंने कहा कि माता निर्माता भवति। संस्कृता स्त्री पराशक्ति, संस्कारवान स्त्री ही परमशक्ति है। चरित्रवान मां ही राम, कृष्ण, स्वामी दयानंद, शिवाजी व भगत सिंह जैसी संतान को जन्म दे सकती है। बहन पूनम आर्या ने उपस्थित ग्रामीणों को जीवन में संस्कार, चरित्र, ईमानदारी, नैतिकता, राष्ट्रभक्ति व ईश्वर भक्ति को जीवन में अपनाने का संकल्प करवाया।

अपने अंदर ऊर्जा भरने की जरूरत

गाजियाबाद सन्यास आश्रम के उप प्रधान स्वामी सूर्यवेश ने कहा कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। बस जरुरत है अपने अंदर की ऊर्जा को पहचान कर उसका सदुपयोग करने की। इस अवसर पर चौधरी बलवंत सिंह आर्य, अजय पाल कुंडू, राजवीर वशिष्ठ, डॉ नारायण सिंह, प्रतीक, ऋषिराज शास्त्री, बहन पूनम कुंडू, बबिता, एकता आर्या, शक्ति आर्या, अंकिता आर्या, अंजू आर्या आदि उपस्थित रहे।

छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

प्राचार्य डॉ लोकेश बल्हारा ने बताया कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण की कार्यशाला के लिए राकेश बुधवार को आमंत्रित किया गया। उन्होंने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन प्रोफ़ेसर रेणु राणा ने किया। प्रो. रेणु ने बताया कि आत्मरक्षा के गुर सीखना हमारे जीवन में बहुत उपयोगी साबित होते हैं, किसी भी समय आत्मरक्षा के गुर की जरूरत हमें पड़ सकती है। इस अवसर पर डॉ. अनिल खटकड़, डॉ. धर्मेन्द्र, डॉ. परवीन, गीता, रवीना, रामपाल आदि मौजूद रहे।

महम के एक गांव में किशोर के साथ सामूहिक कुकर्म, चार पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महम

महम थाना क्षेत्र के एक गांव में एक किशोर के साथ चार युवकों द्वारा सामूहिक कुकर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़ित के परिजनों ने महम थाने में शिकायत दी है।

परिजनों की शिकायत पर गांव के ही चार युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस को दी शिकायत में युवक के ताऊ ने बताया कि उनका नाबालिग बेटा एक मार्च को रात के समय शादी समारोह में गया था। शादी समारोह से गांव के ही चार युवक उसे बहला फुसलाकर गांव के सरकारी स्कूल में ले गए, जहां पर दो युवकों ने उसको पकड़ लिया और दो युवकों ने उसके साथ कुकर्म किया। वारदात एक मार्च रात की है, जबकि दो मार्च को सुबह पुलिस को शिकायत दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित युवक का मेडिकल करवाया है। जांच रिपोर्ट व परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपितों के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। पीड़ित के माता पिता की मौत हो चुकी है। कार्यकारी महम थाना प्रभारी एसआई सुरेश कुमार ने दावा किया है कि जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिन चार युवकों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है, उनमें एक युवक बालिग है, जबकि तीन युवक नाबालिग हैं।

विश्व जन्म दोष रोकथाम दिवस: नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने किया आम जन को जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

विश्व जन्म दोष रोकथाम दिवस के अवसर पर, नर्सिंग कॉलेज की एमएससी नर्सिंग की छात्राओं ने प्राचार्य प्रोफेसर सुनीता कुमारी के दिशा निर्देशन में एमसीएच वार्ड में आम जन को जन्म दोषों के बारे में जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाया।

इस अभियान के बारे में जानकारी देते हुए आचार्या किरण कौर ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रतिवर्ष 3 मार्च को विश्व जन्म दोष दिवस मनाया जाता है। आज के समय में पूरे विश्व में दो से तीन प्रतिशत बच्चे जन्म दोष के साथ पैदा होते हैं और इनकी संख्या हर साल बढ़ती जा रही है। आचार्या किरण कौर ने बताया कि खान-पान, रहन-सहन, वातावरण एवं जीवन शैली इस पर प्रभाव डालते हैं। इस अभियान के दौरान, छात्राओं ने लोगों को जन्म दोषों के कारणों, लक्षणों और रोकथाम के तरीकों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने लोगों को गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच, स्वस्थ आहार, व्यायाम और तनाव प्रबंधन के महत्व के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि उनके कॉलेज की एमएससी नर्सिंग की छात्राओं ने एमसीएच वार्ड में गर्भवती महिलाओं को जन्म दोष के बारे में विस्तार से बताया कि इसके मुख्य कारण क्या है इन्हें कैसे रोका जा सकता है वन की जांच कैसे की जा सकती है। आचार्या किरण कौर ने गर्भवती महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि शुद्ध भोजन ले, डॉक्टर की सलाह के बिना किसी भी दवा का सेवन न करें,समय-समय पर जांच करवाएं,धूम्रपान ,तंबाकू, शराब आदि का सेवन ना करें।

नर्सिंग कॉलेज की प्रिंसिपल सुनीता कुमारी ने कहा, जन्म दोषों की रोकथाम के लिए जागरूकता और शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। हमारी छात्राओं ने इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जन्म दोषों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी

इस अभियान में शामिल छात्राओं ने कहा, हमें लगता है कि जन्म दोषों के बारे में जागरूकता फैलाना बहुत जरूरी है। हमें उम्मीद है कि हमारे इस प्रयास से लोगों को जन्म दोषों के बारे में जानकारी मिलेगी और वे अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेंगे। इस अवसर पर राजपति, किरण, कविता , निधि भी उपस्थित रहे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने की शिवानंद अस्पताल में की सफाई

महम। शिवानंद धर्मार्थ औषधालय में एनएसएस स्वयंसेवकों को संबोधित करते प्रिंसिपल रोहित कुमार और उनके साथ उपस्थित कॉलेज अधीक्षक अशोक कुमार।

महम। गवर्नमेंट कॉलेज महम की दोनों एनएसएस विंग द्वारा सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया गया है। शिविर का शुभारंभ प्रिंसिपल रोहित कुमार व कॉलेज के अधीक्षक अशोक कुमार ने किया। यह शिविर एनएसएस इंचार्ज मनीषा हुड्डा, फूल कुमार व सुरेंद्र सिंह की देखरेख में लगाया गया है। शिविर के पहले दिन गर्ल्स व ब्वॉयज विंग के एनएसएस स्वयंसेवकों ने खेड़ी महम गांव स्थित शिवानंद धर्मार्थ औषधालय की सफाई की। आस पास पड़ी जिन चीजों की वजह से बदबू व गंदगी फैली हुई थी, उन सबको अस्पताल से दूर डाला गया। अस्पताल में आने वाले एवं उसके आस पास रहने वाले सभी लोगों को साफ सफाई के बारे में जागरूक किया। कुछ वॉलिंटियर ने अस्पताल स्टाफ का हाथ बंटाया। मरीजों को दवाइयां बांटने में सहयोग किया और मरीजों का विभिन्न प्रकार की जांच में सहयोग किया। बिखरे हुए सामान को एक व्यवस्थित रूप दिया। प्राचार्य रोहित कुमार ने सभी स्वयं सेवकों को एनएसएस के उद्देश्य बताए। साथ ही बताया कि किस प्रकार एक सप्ताह तक कार्यक्रम चलाया जाएगा। साथ ही बताया कि एनएसएस के साथ जुड़कर राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दिया जा सकता है। इस उपलक्ष्य में एक लेक्चर करवाया गया और कैंप के पहले दिन की समाप्ति पर सभी स्वयंसेवकों ने अंताक्षरी खेलकर मनोरंजन किया।

जाट कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

रोहतक। अखिल भारतीय जाट सूरमा स्मारक महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय से एन एस एस की कोऑर्डिनेटर डॉ सविता राठी ने रिबन काटकर किया। यह शिविर निकटवर्ती गांव गढ़ी बोहर में विशेष जन जागरुकता के लिए चलाया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर कॉलेज प्राचार्या डॉ शबनम राठी, पांचों यूनिटों के कार्यक्रम अधिकारी और वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे। डॉ सविता राठी ने एन एस एस का महत्व बताया।

हरियाणा की संस्कृति बेहद पुरानी व समृद्ध रही है: प्रो. पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है। यह कहा है कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटेड एण्ड ऑनर्स स्टडीज के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. महासिंह पूनिया ने। प्रो. पुनिया सोमवार को एमडीयू विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर हरियाणा स्टडीज में संस्कृत, हिंदी व संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'हरियाणा की लोक सांस्कृतिक विरासत' नामक विषय पर आयोजित व्याख्यान में संबोधन दे रहे थे। प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि हरियाणा की संस्कृति बेहद पुरानी व समृद्ध रही है। हरियाणा वह क्षेत्र है, जहां सरस्वती नदी के किनारे वैदिक सभ्यता की शुरुआत हुई और वह विकसित हुई। यहीं पर वेदों की रचना भी हुई। हरियाणा का 5000 साल पुराना इतिहास गौरव से भरा हुआ है। हरियाणा की धर्मस्थली कहे जाने वाले कुरुक्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध की शुरुआत में भगवद गीता का उपदेश दिया था। इसी धरती पर संत वेदव्यास ने संस्कृत में महाभारत लिखी थी। प्रो. पुनिया ने बताया कि महाभारत युद्ध से पहले सरस्वती घाटी के कुरुक्षेत्र क्षेत्र में दस राजाओं का युद्ध हुआ था। लेकिन यह महाभारत युद्ध था, जो लगभग 900 ईसा पूर्व में हुआ था, जिसने इस क्षेत्र को दुनिया भर में प्रसिद्धि दिलाई।

कार्यशाला शार्ट फिल्म्स तथा रील्स के जरिए शिक्षाप्रद कंटेंट का फिल्मीकरण संभव

सामाजिक सरोकारों पर बेहतरीन फिल्में बनाई जा सकती हैं: राकेश अदनिया

सामाजिक तथा पर्यावरणीय विषयों पर बेहतरीन लघु फिल्में बनाई जा सकती हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शार्ट फिल्म्स तथा रील्स के जरिए केवल मनोरंजक ही नहीं, बल्कि शिक्षाप्रद कंटेंट का फिल्मीकरण संभव है। सामाजिक तथा पर्यावरणीय विषयों पर बेहतरीन लघु फिल्में बनाई जा सकती हैं। पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वन्य जीवन केन्द्रित शॉर्ट फिल्म्स तथा रील्स बनाने के गुर साझा करते हुए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठित वृत्तचित्र निर्माता-निर्देशक एवं एमडीयू एलुमनस राकेश अंदानिया ने ये कहा। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में आयोजित फिल्म निर्माण (लघु फिल्म तथा रील्स निर्माण) कार्यशाला में बतौर विशेषज्ञ आमंत्रित वक्ता राकेश अंदानिया ने कहा कि स्मार्ट फोन्स के जरिए आज बेहतरीन फिल्मांकन संभव है। राकेश अंदानिया ने प्रतिष्ठित पर्यावरण विषयक फिल्म मेकर माइक पांडे समेत अन्य फिल्म निदेशकों का उदाहरण देते हुए विशेष रूप से पर्यावरणीय सरोकारों पर फिल्म निर्माण बारे बताया।इस दो दिवसीय कार्यशाला के प्रथम दिन राकेश अंदानिया ने कैमरा वर्क समेत फिल्म निर्माण की तकनीकी बारीकियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने मोबाइल पत्रकारिता की भी जानकारी साझा की। विद्यार्थियों के साथ प्रश्न-उत्तर संवाद सत्र भी आयोजित हुआ।विभागाध्यक्ष एवं इस कार्यशाला के कंवीनर प्रो. हरीश कुमार ने कार्यशाला में अध्यक्षीय भाषण में कहा कि जनसंचार क्षेत्र में मोबाइल क्रांति ने नए आयाम प्रस्तुत किए हैं। रील्स के जरिए मनोरंजन के साथ-साथ शैक्षणिक-सामाजिक कंटेट्स साझा किया जा सकता है।

रोहतक। कार्यशाला को सम्बोधित करते एलुमनस राकेश अंदानिया।

विद्यार्थियों के कौशल विकास पर चर्चा

शार्ट फिल्मस तथा रील्स निर्माण स्वरोजगार का रास्ता प्रशस्त कर रहा है, ऐसा प्रो. हरीश कुमार का कहना था। कार्यशाला का समन्वयन-संचालन प्राध्यापक सुनित मुखर्जी ने किया। उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय कार्यशाला विद्यार्थियों के कौशल विकास तथा क्षमता संवर्धन के लिए तथा उनकी इम्प्लायबिलिटी की दृष्टि से अहम है। इस कार्यशाला में पीआरओ पंकज नैन, राजकीय पीजी नेहरू कालेज, झज्जर से डॉ. मीनू, बीएमयू से डॉ. सुशील कुमार, एलएन हिन्दू कालेज, रोहतक से डॉ.सुमित सहरावत समेत विभाग के शोधार्थी विद्यार्थी एवं संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया

हरिभूमि न्यूज. रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग में सोमवार को विश्व वन्यजीव दिवस मनाया गया। इस दौरान विभाग में बेस्ट आउट आफ वेस्ट और टैटू मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 10 विभागों के 30 विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन किया।जूलोजी विभाग की अध्यक्षा प्रो. मीनाक्षी शर्मा ने कार्यक्रम के प्रारंभ में वन्यजीवों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस वर्ष विश्व वन्यजीव दिवस की थीम- वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन फाइनेंसः इंवेस्टिंग इन पीपल एंड प्लेनेट विषय पर जानकारी दी। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सुनेजा मदान और सेंटर ऑफ मेडिकल बायोटेक की डॉ. रश्मि भारद्वाज ने निर्णायक मंडल के दायित्व का निर्वहन किया।

बेहतर गतिविधि के लिए इन्हे मिला पुरस्कार

प्रो. विनय मलिक और प्रो. सुधीर कुमार कटारिया ने बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट गतिविधि का समन्वयन किया। फोरेंसिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. नील कमल और पर्यावरण विज्ञान विभाग से डॉ. रचना भटेरिया ने निर्णायक मंडल का दायित्व निर्वहन किया। इस प्रतियोगिता में जूलॉजी विभाग की निष्ठा मलिक ने प्रथम, जेनेटिक्स विभाग की कनिका ने दूसरा तथा पर्यावरण विज्ञान विभाग की बेबी अहलावत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। रितू व निशा को सांत्वना पुरस्कार मिला।टैटू मेकिंग प्रतियोगिता का समन्वयन प्रो. सुदेश रानी और डॉ. रंजना जयवाल ने किया।

रोहतक। एमडीयू में आयोजित कार्यक्रम की विजेता छात्राएं। *फोटो: हरिभूमि*

सूचना

मैं, संतोष देवी पत्नी श्री राम नारायण शर्मा निवासी मकान नं. 2938/9 गली नं. 8 छोटू राम नगर, सुखपुरा चौक, नजदीक पावर हाउस रोहतक बयान करती हूं कि मैंने व मेरे पति ने अपने पुत्र श्रवण व पुत्रवधु ज्योति को अपनी तमाम चल-अचल सम्पति से 12.01.2016 को बेदखल कर दिया था। लेकिन अब मेरा पुत्र श्रवण व पुत्रवधु ज्योति मेरे व मेरे परिवार के कहने-सुनने में हैं। इसलिए अब मैं उस बेदखली को रद्द करवाना चाहती हूं।

खबर संक्षेप

दिव्यांग बच्चों ने दिया समाज को संदेश

रोहतक। भूमिका दिव्यांगजन सेवा संस्थान कलानौर में विश्व श्रवण दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के सभी दिव्यांग बच्चों ने श्रवण दिवस से संबंधित विभिन्न प्रकार की चित्रकारी की और समाज को यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि मूक-बधिर बच्चे भी सामान्य बच्चों के साथ रहकर अपने सभी कार्य कर सकते हैं और अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकते हैं। संस्थान की संचालिका मंजू ने इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को श्रवण दोष के कारणों के प्रति जागरूक किया।

प्रश्नोत्तरी में वैश्य कॉलेज की टीम द्वितीय

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय रोहतक के वाणिज्य विभाग के छात्रों ने महारानी किशोरी कन्या महाविद्यालय में आयोजित अंतर महाविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस टीम में कृष, सिद्धार्थ तायल और प्रणव शामिल रहे।

समाधान शिविर : 5777 शिकायतों में से 4770 का निपटारा, 561 लंबित

अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने समाधान शिविर में अवैध कॉलोनी से संबंधित शिकायत के संदर्भ में जिला नगर योजनाकार को निर्देश दिए कि वे अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वाले कॉलोनाइजर को नोटिस जारी करें तथा अवैध कॉलोनी को नष्ट करें। धीरेंद्र खड़गटा ने लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेस सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला में कोई भी अवैध कॉलोनी पनपने नहीं दी जाएगी। उन्होंने निजी बैंक से संबंधित शिकायत की सुनवाई करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की हिदायतों अनुसार कोई भी बैंक अपने उपभोक्ता को धमकी नहीं सकता और यदि किसी बैंक द्वारा ऐसा किया जाता है तो संबंधित अधिकारी के विरुध एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान है। अब तक समाधान शिविरों में प्राप्त 5777 शिकायतों में से 4770 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है तथा केवल 561 शिकायतें लंबित है, जिनके निपटारे की प्रक्रिया जारी है।

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने कि मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्ति समाधान शिविर में पहुंचकर इस सेवा का लाभ उठा सकते है। जिला प्रशासन द्वारा प्रति कार्य दिवस जिला मुख्यालय पर सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि भी मौजूद रहते है। उन्होंने कहा कि बजट से संबंधित शिकायत को पोर्टल पर अपलोड किया जाए ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सकें।

उच्चाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने समाधान शिविर में नया बिजली कनेक्शन, राशन कार्ड, सिंचाई खाल को खुलवाने, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, परिवार पहचान पत्र में वार्षिक आय कम करने, मायना गांव में पेयजल पाइप लाइन डालने व गली के निर्माण इत्यादि से संबंधित शिकायतों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतों का यथाशीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में अनुपस्थित रहने वाले उच्चाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए तथा इस शिविर में लगातार अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों की एसीआर में इसका उल्लेख किया जाएगा।

दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धीरेंद्र खड़गटा ने समाधान शिविरों में लंबित शिकायतों की विभाग अनुसार समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को यथाशीघ्र इन शिकायतों के निपटारे के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रतिदिन विभाग से संबंधित शिकायतों की जानकारी को अपडेट करके आए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विभाग द्वारा अच्छा कार्य किया गया है। विभाग लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटारा करवाए। उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जिला परिषद कार्यालय, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, निर्वाचन, महिला एवं बाल विकास विभाग, आबकारी, पीजीआईएमएस, विकास एवं पंचायत, राजस्व, खाद्य आपूर्ति, वन विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को लंबित शिकायतों के निपटारे बारे आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ये रहे मौजूद

समाधान शिविर में नगराधीश अंकित कुमार, जिला नगर योजनाकार सुमनदीप, पुलिस निरीक्षक, प्रशांत, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरींद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अरुण कुमार, जनस्वास्थ्य विभाग के एसडीई अनिल रोहिल्ला, मुकेश, जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह, सहायक रोजगार अधिकारी मोनिका सिंह, नगर निगम के टीआई अमन कुमार, तहसील कार्यालय से कानूनगो सुरेंद्र कुमार, कलानौर तहसील से कानूनगो सतीश कुमार, क्रीड से कुलदीप, सिंचाई विभाग से दलबीर सिंह, शिक्षा विभाग से उपाधीक्षक लक्ष्मी देवी, वन विभाग से सुभाष चंद्र आदि मौजूद रहे।

नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में मानसी ने जीते तीन पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

थर्ड फास्ट फाइव जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप 26 फरवरी से 28 फरवरी और मिक्स जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप 28 फरवरी से 2 मार्च तक श्री बालाजी सीनियर सेकेंडरी स्कूल कलिंगा भिवानी में आयोजित हुई, स्वामी नितानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल ब्राह्मणवास की छात्रा मानसी ने मिक्स और थर्ड फास्ट फाइव जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया। मानसी ने तीन पदक हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है। छात्रा मानसी का स्कूल में प्रधानाचार्या नीतिका मलिक, स्कूल प्रबंधक रश्मि देशवाल, कोच रिंकू, अजीत डीपी एवं सभी अध्यापकों द्वारा स्वागत किया गया। प्रधानाचार्या नीतिका मलिक ने मिठाई खिलाकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अन्य विद्यार्थियों को भी खेलकूद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता 23 फरवरी से 26 फरवरी तक आयोजित हुई।

नागरिक बोधी के नजदीक वक्फ बोर्ड की मिल्कियत पर अवैध प्लोटिंग में न खरीदें प्लॉट : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त धीरेंद्र खडगटा ने नागरिकों का आह्वान किया है वे पीर बोधी के समीप विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी में प्लॉट न खरीदें। जिला नगर योजनाकार द्वारा इसके विरुद्ध पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। धीरेंद्र खडगटा ने बताया कि भू-माफियाओं द्वारा स्थानीय गोहाना रोड़ स्थित वक्फ बोर्ड की मिल्कियत पीर बोधी के नजदीक की जमीन में अवैध प्लोटिंग का नक्शा मार्केट में सार्वजनिक किया हुआ है तथा झूठ बोल कर आम लोगों को प्लॉट बेचे जा रहे हैं, जिसकी शिकायत जिला नगर योजनाकार द्वारा पुलिस विभाग को भी कर दी गई है। इसमें किसी भी प्रकार का निर्माण करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने कहा कि रोहतक नियन्त्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध रूप से किये जा रहे निर्माणों/कालोनियों को गिराने का लगातार अभियान चलाया गया, जो आगे भी जारी रहेगा।

राजेश जैन ने समझा गांव के लोगों का दर्द : पद्मश्री आचार्या सुकामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सांघी गांव में चल रहे बिमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर का दौरा रुड़की के गुरुकुल की टीम ने किया। इस दौरान उनकी टीम ने सेंटर में इलाज कराने आए मरीजों से बात की और सेंटर पर उपचार भी करवाया। जिसके बाद सेंटर के संचालक मां दोनो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट के संस्थापक तस्वीर हुड्डा ने सभी को शॉल ओढ़ाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही सेंटर पर पहुंचने पर उनकी टीम का आभार प्रकट किया। मां दोनो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट के संस्थापक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में संचालित इस फिजियोथैरेपी सेंटर का आयोजन समाजसेवी और उद्योगपति राजेश जैन की तरफ से किया जा रहा है। सेंटर के बारे में जब रुड़की के गुरुकुल की इन आचार्यों ने सुना तो इसे देखने के लिए काफी उत्सुक हुई। जिसके बाद से इनकी टीम सेंटर का दौरा करने पहुंची। गुरुकुल से पहुंची पदम श्री आचार्या सुकामा ने कहा कि आज के समय में गांव के लोगों को गांव के अंदर ही बेहतर इलाज मिल रहा है ये काफी अच्छी बात है। उन्होंने समाजसेवी राजेश जैन का आभार प्रकट किया। इस मौके पर गुरुकुल की ब्रहमचारी कोमल, योगेश शास्त्री, युवा क्लब के पूर्व प्रधान देवेंद्र हुड्डा, युवा क्लब के सेक्रेटरी मोहित, कंसाला के पूर्व सरपंच राज सिंह, सतीश, देवेंद्र, हरि ओम, रोहतक शहर से राजकुमार मौजूद रहे।

- रुड़की की आचार्या ने किया फिजियोथैरेपी सेंटर का दौरा

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर

रोहतक। जेपी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 36 में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सीएमओ डॉ. रमेश चंद्र आर्य ने छात्रों को स्वास्थ्य के महत्त्व के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि शरीर को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए घर पर बना पौष्टिक आहार खाना चाहिए। सिविल अस्पताल की टीम द्वारा छात्राओं व अध्यापिकाओं के हीमोग्लोबियन की जांच की गई। संस्था अध्यक्ष राजीव मलिक ने डॉक्टरों द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की सलाह दी। इस अवसर पर डॉ. देवेन्दर, श्रेष्ठ मलिक भारतीय विकास परिषद की युवा शाखा के सदस्य व पीएनबी शाखा मैनेजर, आशीष निझावान व रेनू खतौड़ आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बताया विज्ञान का महत्व

- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राष्ट्रीय विज्ञान दिनेहरू युवा केंद्र के तत्वाधान में राजकीय महाविद्यालय महम मे विज्ञान विभाग द्वारा एक सेमिनार लगाया गया। इस सेमिनार में डॉ. शिल्पी ने विद्यार्थियों को विज्ञान का और विज्ञान दिवस का महत्व बताया। साथ ही उन्होंने विज्ञान के विभिन्न आविष्कारों और आविष्कार करने वाले वैज्ञानिकों के बारे में जानकारी दी। प्राध्यापक सुखबीर सिंह और पवन राठी ने बच्चों को मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों को देश के प्रति निष्ठावान होने का संदेश दिया। बच्चों को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। पवन राठी ने बच्चों से कहा कि आने वाले समय में आप सभी देश का भविष्य हैं। देश का ज्ञान और विज्ञान युवाओं के हाथ में है। जिला युवा अधिकारी आशीष सांगवान ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम में प्राध्यापिका शिल्पी, सुदेश, प्रियंका, पवन राठी, सुखबीर व विकास समेत कई विद्यार्थी मौजूद रहे।

महम। विज्ञान दिवस पर आयोजित सेमिनार में भाग लेते कॉलेज प्राध्यापक व विद्यार्थी।

एमडीयू डिजिटल लर्निंग में समस्त हरियाणा में प्रथम : प्रो. नसीब गिल

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट्स की चारों एनएसएस यूनिट्स के तत्वावधान में डिजिटल इंडिया मिशन के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना थीम पर सोमवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर प्रारम्भ हुआ। इस शिविर में लगभग 120 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। एमडीयू के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन के निदेशक प्रो. नसीब सिंह गिल ने बतौर मुख्यातिथि इस शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को अपने कार्यों को डिजिटल रूप से करने का तरीका भी बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि एमडीयू डिजिटल लर्निंग में समस्त हरियाणा में प्रथम स्थान रखती है।

सर्कुलर रोड पर स्वास्थ्य जांच व रक्तदान शिविर का आयोजन 9 को

रोहतक। वैद्य कैसर दास सेवा समिति की ओर से सरकुलर रोड पर फ्री आर्युवैदिक चेकअप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन 9 मार्च को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। जिसमें शुगर, पथरी, खांसी, जुकाम, गदूद आदि की भी जांच की जाएगी और आर्युवेदिक दवाई निशुल्क दी जाएगी। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि पीजीआई और रेडक्रॉस के सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया जाएगा।

दीपक ने जीता सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार

- 15वीं जीआईएल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्र दीपक ने गीता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ पानीपत द्वारा 1 और 2 मार्च को आयोजित 15वीं जीआईएल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता का पुरस्कार जीतकर विश्वविद्यालय और अपने विधि संकाय का नाम रोशन किया है। दीपक के साथ विधि संकाय की छात्रा प्रियंका और निकिता ने भी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाया। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एचएल वर्मा ने छात्रों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया और विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि मूट कोर्ट, कानून के छात्रों के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह न केवल उनके शोध और लेखन कौशल को निखारता है, बल्कि उन्हें वास्तविक अदालत की प्रक्रिया को समझने का अवसर भी प्रदान करता है। विधि संकाय के छात्र जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, यह पूरे विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। हमारे छात्र लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। विधि संकाय के डीन डॉ. मनीष दलाल और डिप्टी डीन डॉ. रितु ने छात्रों को उनके कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए बधाई दी। उन्होंने कुलपति को उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का विधि संकाय निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है और यह सफलता छात्रों के कठिन परिश्रम और संकाय के शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के छात्र दीपक पुरस्कार प्राप्त करते हुए ।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर डॉ. सीमा देवी, डॉ. राजरानी, डॉ. हरविंदर, डॉ. विनती, डॉ. नेहा, डॉ. प्रमिला, डॉ. सोनिया, डॉ. राहुल, आकाशदीप सहित अन्य उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कार्यक्रम | सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के लिए स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण का उद्देश्य

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में ग्राम सारथी कार्यक्रम का किया आयोजन

सुनील जागलान ने गांव के विकास में भूमिका पर की चर्चा व स्वयंसेवकों को इस पहल से जुड़ने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के लिए स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से सोमवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में ग्राम सारथी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आईएचटीएम सभागार में यूनिवर्सिटी आउटरीच सेंटर तथा यूथ रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में आईक्यूएसी निदेशक प्रो. बी. नरसिम्हन ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। प्रो. नरसिम्हन ने कहा कि सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों के लिए स्वयंसेवकों की क्षमता निर्माण एक महत्वपूर्ण पहल है, जो न केवल स्वयं सेवकों के व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम की निदेशिका एवं यूथ रेड क्रॉस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो. अंजू धीमान ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और इस कार्यक्रम के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डाला। यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस सुनील जागलान ने गांव के विकास में भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेवकों को इस पहल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया और समुदाय से जुड़ाव और उसकी आवश्यकताओं को समझने के महत्व पर जोर दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. मीनू भान व डॉ. गीता, वाईआरसी काउंसलर्स डॉ. दीपक लठवाल, डॉ. सविता, डॉ. सुरेश कुमार, डॉ. आनंद कुमार, कविता, सुभाष, सीमा लौरा, डॉ. रेखा रानी, पूजा, टीना सैनी, इंदु बाला, डॉ. सविता यादव, डॉ. ज्योति गोयल समेत 270 वाईआरसी वालंटियर्स उपस्थित रहे।

समाज में बदलाव लाने के लिए उठाए कदमों की महत्ता पर बल दिया

यूनिवर्सिटी आउटरीच के सीनियर कंसल्टेंट प्रो. राजकुमार ने समाज में बदलाव लाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर उठाए जाने वाले कदमों की महत्ता पर बल दिया। किसान संचार के निदेशक कमलजीत ने ग्राम सारथी पहल और समुदाय की समस्याओं को समझ कर उनके समाधान की प्रक्रिया पर विस्तार से बताया। मंच संचालन वालंटियर्स अनामिका और अंकित ने किया। उपनिदेशक यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम डॉ. कर्मवीर श्योकंद ने आभार जताया। कार्यक्रम में दो सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवकों मानसी (टीकाराम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत) और कीर्ति (गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन, रोहतक) को सम्मानित किया गया।